माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल — 20 पृष्ठीय

वर्ष 2014

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0 0 1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

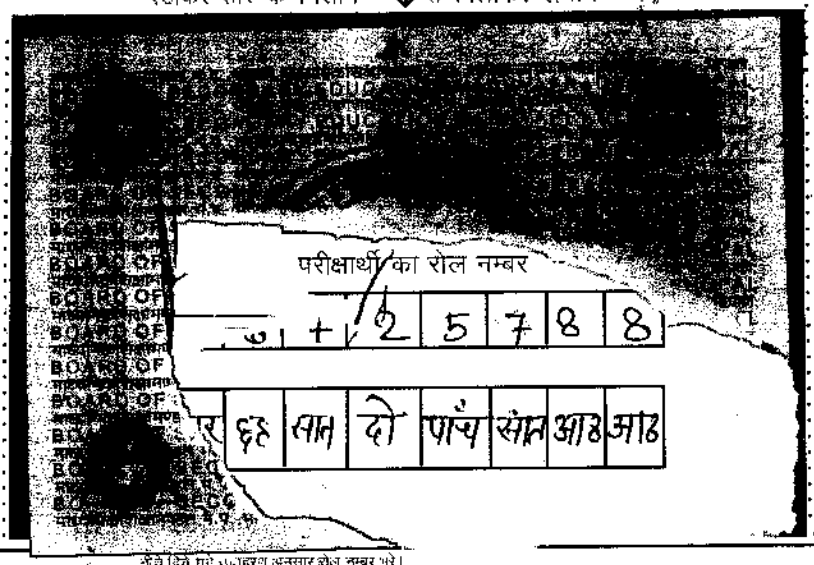

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

[redacted]

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

...	+	2	5	7	8	8
...र	छः	सात	दो	पाँच	सात	आठ	आठ

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में [ ] शब्दों में [ ]

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक [10]

ग – परीक्षा का दिनांक [29 | 03 | 14]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

HIGH SCHOOL CERTIFICATE EXAM- केन्द्र क्र. 672013

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
(हस्ताक्षर) 29.3.14 जयनारायण तिवारी	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई गई है तो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग ... निर्धारित मुद्रा ... नाम, पदनाम, मोबाईल ... परीक्षक क्रमांक एवं पदस्थ संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

Mrs. M. Borkar (Principal) Govt. H.S. Nadan Kheda Dhar Reg.No. DH/TD/001/008

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
डॉ. श्रीकांत द्विवेदी पदनाम – प्रधानाध्यापक Mob.No. 94968..... V.No.-DH/TD/001/066 शासकीय उत्कृष्ट उ मा वि धार	नाम – श्रीमती ... पवार पदनाम – ... परीक्षक क्र. ... पदांकित ... धार

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
कुल प्राप्तांक शब्दों में		प्राप्तांक अंकों में

LaserJet/InkJet/Copier Paper A4S1-16 90 1x33 9m/cx16

de /mot

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र०·क्रमांक (1) का उत्तर

(i) रीतिकाल

(ii) विचारात्मक

(iii) ऊपर

(iv) आलम्बन

(v) नपुंसक

प्र०क्र० (2) का उत्तर

(i) महादेवी वर्मा

(ii) सुजानसिंह

(iii) कहानी

(iv) : + रस

(v) क्रोध

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्र० क्रमांक (3) का उत्तर

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

प्र० क्र० (4) का उत्तर

		उत्तर
(i) पृथ्वीराजरासो	—	महाकाव्य
(ii) उद्‌बोधन	—	रामधारी सिंह दिनकर
(iii) सच्चाधर्म	—	सेठ गोविन्द दास
(iv) थके हुए कलाकार से	—	धर्मवीर भारती
(v) बेटियाँ पावन दुआएँ	—	अजहर हाशमी

④ [ ] + [ ] = [ ]

प्रश्न क्र

प्र० क्र. (5) का उत्तर

(i) आक्रोश मे आकर मजदूरों ने विद्रोह किया।

(ii) लोकसंस्कृति का जन्म गाँवों में हुआ।

(iii) विद्या, परिश्रम और साहस को पाकर वह धनी बनता है।

(iv) उपासना करने वाला उपासक कहलाता है।

(v) ~~आज्ञावाचक वाक्य वाक्य~~
आज्ञावाचक वाक्य है।

प्र० (6) का (क) का उत्तर

कुब्जा मथुरा के राजा कंस की नौकरानी थी कुब्जा नित्य कार्य अर्थात कंस के माथे पर तिलक लगाने का कार्य करती थी एक बार श्री कृष्ण मामा कंस के निमन्त्रण पर आए थे उनकी सबसे पहले मुलाकात कुब्जा से हुई। कुब्जा ने उनके माथे पर तिलक लगाया।
श्रीकृष्ण ने कुब्जा के कूबड़ पर एक हाथ रखा और एक पैर से उसका पैर दबाकर एक झटका सा दिया। जिससे वह सीधी हो गई। और अनुपम सुन्दरी बन गई। इस प्रकार उसका उद्धार श्रीकृष्ण ने किया।

प्र० क्र. (7) का अथवा का उत्तर

कवि नहीं चाहते कि वे अपनी फटी हुई पथरीली हथेलियों से बच्चे के रेशमी बालो को स्पर्श करें। क्योंकि इससे उसको जीवन की कठोरताओं और संघर्ष का ज्ञान हो जाएगा। और उसका कोमल मन छिन्न भिन्न हो जाएगा। कवि शिशु को खुश देखना चाहते हैं। वह बच्चे को जीवन की कठोरताओं और संघर्ष से दूर रखना चाहते हैं। कोमलता का कोमलता से ही संयोग होना चाहिए कठोरता का नहीं।

इसलिए कवि बच्चे के रेशमी बालो को अपनी हथेलियों से स्पर्श नहीं करना चाहते।

प्र० क्र. (8) का उत्तर

मनु थकान से चूर होकर जब एकांत मे मुँह नीचे किए हुए बैठे थे तभी श्रद्धा ने अपने मधुर स्वर मे उनसे उनका परिचय जानना चाहा। श्रद्धा का स्वर बहुत मीठा व मधुर था श्रद्धा का स्वर मधुकरी की भाँति था। श्रद्धा का स्वर इतना मधुर था कि मनु उनकी ओर देखने के लिए मजबूर हो गए और उन्होंने जैसे ही मुँह ऊपर करके देखा वे श्रद्धा के सौंदर्य को देखकर आश्चर्यचकित हो गए।

श्रद्धा का सौंदर्य इतना आलौकिक था कि उनको देखकर मनु को हर्ष मिश्रित झटका सा लगा।

प्र० क्र० (९) का अथवा का उत्तर

मानव जिस ओर गया वहाँ परिवर्तन करने लगा। नगर बसे तथा कई तीर्थस्थान बसे। मानव सृजनशील है। अतः मानव जिस ओर गया वहाँ सृजन हुआ। मानव ने आसमान और सागर को अपना मित्र बनाकर अर्थात् अन्तरिक्ष और भूगर्भ मे कई नए नए आविष्कार किए व नई नई खोजे की।

इस प्रकार जि मानव जिस ओर गया वह सृजन हुआ और उसकी विजय हुई।

प्र०क्र० (१०) का अथवा का उत्तर

"तृप्ति" कविता के माध्यम से कवि हमारे सामने शोषणवादी नीति को प्रस्तुत करते है। जिस प्रकार एक श्रमिक परिश्रम करके व खून पसीना एक करके फसल तैयार करता है और उसे बेचकर धन प्राप्त करता है परन्तु वह धन तो पूँजीपतियो की तिजोरी मे चला जाता है

इस तरह श्रमिक निर्धन ही होते जाते है। जबकि पूंजीपतियो की तिजोरी धन से परिपूर्ण है।

इस तरह श्रमिको ने आक्रोश मे आकर आकर विद्रोह किया।

योग पूर्ण क्र. पृष्ठ कुल अंक
BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्र० क्र. (11) का उत्तर

ललित कलाओं का ग्राम्य जीवन मे बहुत अधिक महत्व ललित कलाओ का स्वभाव फूलो की तरह होता है वह अपनी भूमि पर खेलती व निखरती है ललित कलाएं मन को उल्लास से भर देती है।
ललित कलाएं ग्राम्य जीवन मे मनोरंजन और जीविकोपार्जन का साधन थी। ललित कलाओ से मिलजुलकर रहने की भावना का विकास हुआ। सभी लोग अपनी सभी चिन्ताएं भूलकर एक साथ उल्लास का अनुभव करते है। दुख और मानसिक तनाव को दूर करने के लिए ललित कलाओ से एक ऐसी उल्लास की धारा निकलती है जो मन और मस्तिष्क को सुख प्रदान करती है। यह है ललित कलाओ का ग्राम्य जीवन मे महत्व।

प्र० क्र. (12) का अथवा का उत्तर

देश के नागरिक सार्वजनिक स्थलो पर बैठकर यह चर्चा करते रहते है कि हमारे देश मे यह नही हो रहा है, वह नही हो रहा है, बड़ी परेशानी है तथा दूसरे देशो से अपने देशों की तुलना करने लगते है। इस तुलना मे वे दूसरे देशो को श्रेष्ठ समझते और अपने देश को हीन बताते है।
इस प्रकार के व्यवहार से हमारे देश के शक्तिबोध को भयंकर चोट पहुंचती है। इससे हमारे देश के सामूहिक मानसिक बल का ह्रास हो रहा है।

17 + =

प्र० क्र० (13) का उत्तर

प्रश्न क्र

वृत्तियो के उन्नयन से आशय है सभी जगह व सभी तरफ वृत्तियो का उन्नयन होना चाहिए। बाहरी वासनाओ को त्यागकर हमे सामाजिक प्रगति को बढ़ाना होगा इससे हमारी वृत्तियो का उन्नयन सम्भव होगा। और उसकी उन्नति होगी। वृत्तियो के उन्नयन का एक मात्र साधन है सामाजिक प्रगति को बढ़ाना जिससे हमारी वृत्तियाँ भी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ेगी।

B
S
E

प्र० क्र० (14) का उत्तर

कवि माखन लाल चतुर्वेदी देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चाहते हैं कि सभी लोग प्रहरी की भाँति जागृत हो, तथा अपने कर्तव्य से कभी पीछे न हटे। आत्मनिर्भर होने के लिए कर्तव्यनिष्ठ होना आवश्यक है। कर्तव्यपालन वही व्यक्ति कर सकता है जो अपनी मातृभूमि से प्यार करता है। उसके प्राणो की रक्षा के अपने प्राण न्योछावर कर दे। मनुष्यो को अपने दायित्वों का बोध होना चाहिए भुजाओ मे शक्ति होना चाहिए "मातृभूमि तेरी एक हुंकार पर करोड़ो लोग अपनी जान देने के लिए तैयार है"

9 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 9 के अंक = कुल अंक

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्र० क्र. (15) का उत्तर

(i) आँख का तारा :- (अत्यधिक प्रिय होना)

वाक्य :- सभी बच्चे अपनी माँ के आँख के तारे होते हैं।

(ii) मारना :- बेकार घूमना।

कंपनी में सीमित सीट होने के कारण कुछ ही लोगों को नौकरी मिली। बाकी लोग ~~जनसंख्या वृद्धि के कारण लोगों को काम नहीं मिलता।~~ ~~जिसके कारण~~ वे इधर उधर हाथ मारते रहते हैं।

प्र० क्र. (16) का उत्तर

गीतिका छंद का उदा०

"साधु भक्तों में सुयोगी, संयमी बढ़ने लगे।
सभ्यता की सीढ़ियों पे, सूरमा चढ़ने लगे।
वेदमन्त्रों को विवेकी, प्रेम से पढ़ने लगे।
वंचकों की छातियों में, शूल से गड़ने लगे।"

प्र०क्र. (17) का उत्तर

सुश्रुत संहिता में शल्य चिकित्सा के हर पहलू का वर्णन है जैसे-आपरेशन के बाद कौन कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए, रोगी व्यक्ति को कैसा आहार देना चाहिए, घावों को भरने के लिए कौन कौन दवाइयाँ देनी चाहिए। तथा कौन कौन सी औषधियाँ किस किस रोगों के उपचार के लिए हो यह भी देखा जाता है। उस समय प्राचीन तरीके से आपरेशन किया जाते थे

10

प्रश्न क्र

चीरा लगाना, टाँका लगाना आदि के लिए वे घोड़े के बाल, सुई व औजारों का प्रयोग करते थे। सुश्रुत संहिता में 120 अध्याय हैं जो छह भागों में विभाजित है। दन्तचिकित्सा, शल्यक्रिया, अस्थिचिकित्सा, कायाकल्प (प्लास्टिक सर्जरी) के भी आपरेशन किए जाते थे। इस प्रकार सुश्रुत संहिता में चिकित्सा की छह विधियों का वर्णन है।

प्र० क्र० (18) का अथवा का उत्तर

	संधि	समास
(i)	दो वर्णों के मेल को संधि कहते हैं।	दो पदों के मेल को समास कहते हैं।
(ii)	संधि तीन प्रकार की होती है।	समास छह प्रकार के होते हैं।
(iii)	संधि को तोड़ने को विच्छेद कहते हैं	समास को तोड़ने को विग्रह कहते हैं

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्र० क्र० (19) का उत्तर

महाकाव्य	खण्डकाव्य
महाकाव्य मे जीवन का समग्र चित्रण होता है।	खण्ड काव्य में जीवन के किसी एक खण्ड का चित्रण हो
महाकाव्य मे 8 सर्ग या इससे अधिक होते है।	खण्ड काव्य इतना विस्तृत नही होता है। इसमे एक ही सर्ग होता है।
महाकाव्य मे जीवन काल की सभी घटनाओ का वर्णन होता है इसका नायक धीरोदत्त व वीर गुणो वाला होता है।	खण्ड काव्य मे जीवन की किसी एक घटना का वर्णन होता है खण्ड काव्य मे ऐसा जरूरी नही है कि इसका नायक उदत्त व वीर गुणों वाला हो।

प्र० क्र० (20) का उत्तर

प्रगतिवादी काव्य की विशेषताए निम्न है।

(i) शोषितो के प्रति सहानुभूति
(ii) ईश्वर के प्रति अनास्था
(iii) प्रतीको का प्रयोग
(iv) भाग्यवाद की जगह कर्मवाद को महत्व

प्र० क्र. (20) का अथवा उत्तर

प्रयोगवादी काव्य की विशेषता -

(i) नवीन उपमानो का प्रयोग

(ii) रूढ़ियो के प्रति विद्रोह

वर्णन

B नवीन उपमानो का प्रयोग :- प्रयोगवादी की यह प्रमुख विशेषता है।

S इसमे नवीन उपमानो का प्रयोग किया गया है।

E तथा काव्य को नवीन बातो से समझाया गया है।

रूढ़ियो के प्रति विद्रोह :- प्रयोगवादी काव्य मे सामाजिक रूढ़ियो व समाज मे व्याप्त अन्धविश्वास को दूर करने के लिए विद्रोह हुए है।

(1)

(अ) रचनाकार — रचना

अज्ञेय — हरी घास पर क्षण भर

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF

प्रश्न क्र

प्र० क्र० (२०) का अथवा का उत्तर

हिन्दी नाटकों के विकास को ५ भागों में बाँटा गया है

(I) भारतेन्दु युगीन नाटक

(ii) द्विवेदी युगीन नाटक

(iii) प्रसाद युगीन नाटक

(iv) प्रसादोत्तर युगीन नाटक

नाटककार

(I) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) प्रताप नारायण मि

DIRSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDDIRSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्र० क्र० (22) का उत्तर

"रामवृक्ष बेनीपुरी जी"

• दो रचनाएँ: (i) "पतितो के देश मे" (उपन्यास)
(ii) "चिता के फूल" (कहानी)

भाषाशैली:

भाषा:- रामवृक्ष बेनीपुरी की भाषा प्रवाहपूर्ण सरल, सुबोध व बोधगम्य है इन्होंने कहीं कहीं अरबी, फारसी आदि भाषाओ का भी प्रयोग किया। मुहावरे और कहावतो से इनके साहित्य मे चार चाँद लग गए।

शैली: इन्होंने नि.लि शैली का प्रयोग किया है।

(i) वर्णनात्मक शैली :- इन्होंने अपने लेखन मे मुख्य रूप से वर्णनात्मक शैली का प्रयोग किया है।

(ii) विचारात्मक शैली :- अपने विचारो को प्रकट करते हुए अपने लेखन को सुसम्बद्ध रूप से प्रकट किया है।

(iii) व्यंग्यात्मक शैली :- कहीं कहीं व्यंग्यात्मक शैली का प्रयोग किया है। यहां तक कम किया है।

प्र० क्र. (23) का उत्तर

"मलिक मुहम्मद जायसी"

- दो रचनाएँ = (i) "पद्मावत"
(ii) "अखरावट"

कलापक्षभावपक्ष

B. भावपक्ष :- इनके भावपक्ष में निम्न बिंदु सम्मिलित है।

S. श्रृंगारवर्णन :- इन्होंने अपने काव्यो मे श्रृंगार का मुख्यरूप से उपयोग किया है। श्रृंगार रस के कारण इनके काव्य अत्यंत प्रभावशाली बन गए।

E.

- भक्तिभावना :- मलिक मुहम्मद जायसी निर्गुण भक्तिशाखा के प्रेममार्गी कवि थे वे निर्गुणब्रह्मको मानते थे परन्तु निर्गुणब्रह्मकी

- प्रकृतिचित्रन :- इनके काव्यो मे प्रकृति के विभिन्नरूपो का अंकन हुआ है।

कलापक्ष :- इनके निम्न बिंदु है

भाषा :- इनकी भाषा ठेठ अवधी है। इनका काव्य- "पद्मावत" है।

शैली इन्होंने मसनवी शैली को अपनाया है।

छंद व अलंकार इनके काव्यो मे अनेक छंद व अलंकार जैसे रूपक, अनुप्रास आदि की छटा है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL मध्यप्रदेश

प्र० क्र० (24) का अथवा की उत्तर

संकेत नील परिधान - - - - - - - गुलाबी रंग।

संदर्भ:- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक से "प्रेम और सौंदर्य" शीर्षक से "श्रद्धा" नामक पाठ से अवतरित है।
जिसके कवि-
"जयशंकर प्रसाद जी" है

B
S

प्रसंग!- श्रद्धा के सौंदर्य का वर्णन किया गया है।

E

व्याख्या नील परिधान के बीच मे नायिका का सौंदर्य अत्यंत सुंदर लग रहा है। इनका मतलब श्रद्धा का अधखुला अंग अत्यंत सुशोभित हो रहा है। उनका अधखुला अंग ऐसा लग रहा है मानो कोई बिजली का फूल जो गुलाबी रंग है वह बादलो के बीच मे चमक रहा हो। यह सौंदर्य आंखो को अत्यंत सुकून दे रहा है।

विशेष (i) श्रद्धा के अनुपम सौंदर्य का वर्णन -
~~सामान्य~~ सरल भाषा का प्रयोग -
(ii) श्रद्धा की अलौकिक सुंदरता का वर्णन -

प्र० क्र. (25) का अथवा उत्तर

गांव - - - - - - - - - - - क्षमता रखते है।

संदर्भ: यह गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक से पाठ "मेरे गांव की सुख और शांति किसने छीन ली" से लिया गया है। जिसके रचयिता है "रामनारायण उपाध्याय"

प्रसंग: गाँव की कलाए व गांव के आदमी के बारे मे बताया गया है।

B
व्याख्या: गांव का आदमी बहुत सुसंस्कृत व दयालु होता है।
S
क्योकि सभी गांव के लोग शहरो की ओर जा रहे है।
E
जिससे की गांव की संस्कृति नष्ट होती जा रही है। गांव का व्यक्ति भी चाहता है जिस प्रकार गांव के लोग शहर की नकल करते है। वहाँ की वेशभूषा, रहन सहन को गृहण करते है ठीक उसी प्रकार वह भी राह देख रहा है कि कोई व्यक्ति आए और गांव के आचार विचार, संस्कृति, वेशभूषा मे ढल जाए। गांव की सभी कलाए कुछ न कुछ देने की क्षमता रखती है।

विशेष: (i) गांव के आदमी के बारे मे बताया है।
(ii) गांव मे अनेक कलाए उपस्थित है जो कुछ न कुछ देती है।
(iii) सरल भाषा का प्रयोग।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION
मध्यप्रदेश

प्र० क्र० (26) का उत्तर

(i) "यथार्थ मनुष्य"

(ii) जो मानवता का आदर करना जानता हो उसे यथार्थ मनुष्य कहते हैं।

(iii) मानव को सभी लोगो का सम्मान करना चाहिए। कोई कारण के बिना किसी के प्रति भी अहं नही होना चाहिए। यह लज्जाजनक बात है तथा मानव को किसी की उपेक्षा नही करनी चाहिए। व घृणा से दूर रहना चाहिए।

B
S
E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

मध्यप्रदेश

प्र० क्र (27) का उत्तर

स्थानांतरण प्रमाण पत्र

सेवा में,

प्राचार्य महोदयजी,
शासकीय कन्या विद्यालय,
भोपाल (म.प्र.)

विषय :- स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र।

महोदयजी,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा 'दसवीं' ब की छात्रा हूँ। मेरे पिता जी एक सरकारी टीचर हैं उनका स्थानांतरण भोपाल से जबलपुर हो गया है मुझे भी वहीं पर अपनी पढ़ाई जारी करनी होगी।

मैंने विद्यालय का शुल्क एवं अन्य सामग्रीयाँ जमा कर दी हैं अतः आपसे अनुरोध है कि मुझे स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्रदान करने की कृपा करें। जिससे मैं अपना अध्ययन वहाँ पर जल्द से जल्द जारी कर सकूं।

(धन्यवाद)

दिनांक 29/03/14

आपकी आज्ञाकारी छात्रा
अ.ब.स
कक्षा दसम ब'

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र

प्र (२८) का (१) का उत्तर

(1) कम्प्यूटर, आज की आवश्यकता -

रूपरेखा

(i) प्रस्तावना

(ii) कम्प्यूटर की आवश्यकता

(iii) कम्प्यूटर का आविष्कार

(iv) कम्प्यूटर का विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग

(v) कम्प्यूटर से लाभ

(vi) कम्प्यूटर से हानि

(vii) उपसंहार

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल वर्ष 2014 द्वितीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय: हिन्दी | विषय कोड: 0 0 1 | परीक्षा का माध्यम: हिन्दी | परीक्षा का दिनांक:

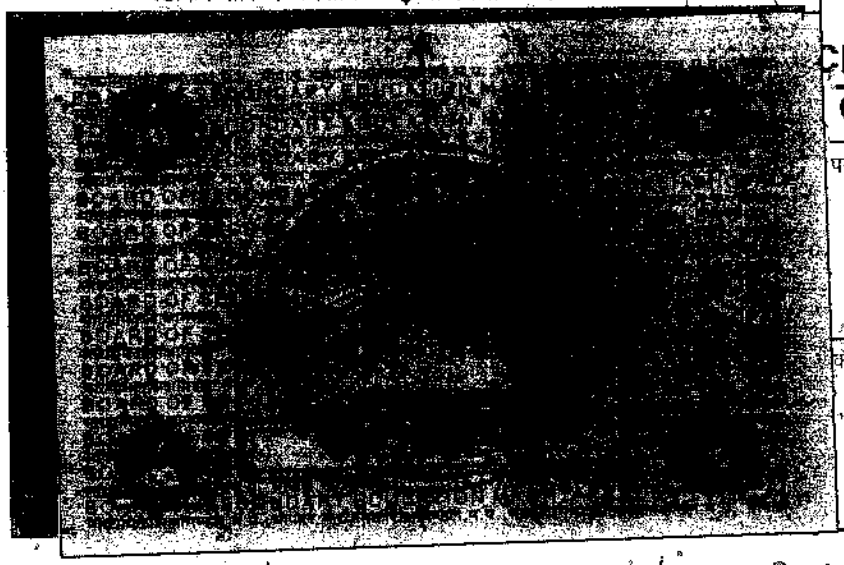

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

HIGH SCHOOL CERTIFICATE EXAM.

केन्द्र क्र. 672013

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

29.3.14

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्र० क्र० (28) का (अ) का उत्तर

पर्यावरण प्रदूषण

रूपरेखा

(i) प्रस्तावना
(ii) प्रदूषण का अर्थ
(iii) प्रदूषण के प्रकार
(iv) वायु प्रदूषण
(v) ध्वनि प्रदूषण
(vi) मृदा प्रदूषण
(vii) प्रदूषण के उत्पन्न होने के कारण
(viii) निराकरण के उपाय
(ix) उपसंहार

वृक्षारोपण करो
पर्यावरण बचाओ

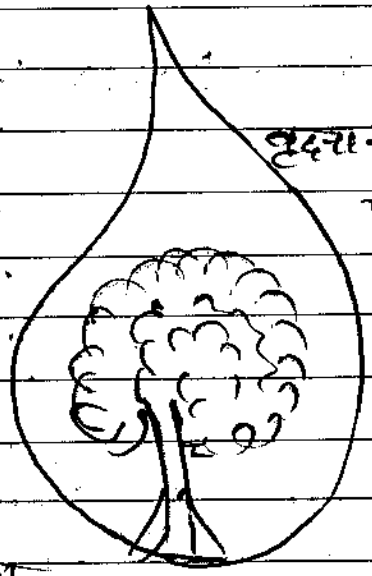

प्रश्न क्र

प्रस्तावना :- आज के युग मे पर्यावरण का प्रदूषण व्यापक रूप से फैला हुआ है। पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारण वृक्षो की कटाई है। इसके कारण पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है। पर्यावरण के प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्षारोपण किया जाना आवश्यक है। तभी हम पर्यावरण को बचा सकेंगे। आज कारखानो से निकलते हुए धुए से वातावरण प्रदूषित हो रहा है। जिसमे पेड़ो और पौधो को नुकसान पहुँच रहा है।

प्रदूषण का अर्थ :- प्रदूषण दो शब्दो से मिलकर बना है। प + दूषण, दूषण का अर्थ है गंदा। परन्तु प लगाने से उसका अर्थ और भी भयानक हो गया है। प्रदूषण के कारण तरह तरह की बीमारियाँ उत्पन्न हो गई। इसकी रोकथाम किया जाना आवश्यक है।

प्रदूषण के प्रकार !- प्रदूषण छह प्रकार का होता है।

(1) वायु प्रदूषण
(2) जल प्रदूषण
(3) ध्वनि प्रदूषण
(4) मृदा प्रदूषण
(5) तापीय प्रदूषण
(6) रेडियोधर्मी प्रदूषण

यह सभी प्रदूषण पर्यावरण के लिए घातक है। यह अनेक कारणों से उत्पन्न होते है।

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH मध्यप्रदेश

इन सब प्रदूषणों के भयानक परिणाम होते हैं। इन सभी से बचाव किया जाना आवश्यक है व इन सभी की रोकथाम कि जाना भी आवश्यक।

वायु प्रदूषण :- कारखानों की चिमनियों से निकलने वाले धुँए से वायु प्रदूषण है गाड़ीयो से निकलने वाले धुँए से भी वायु प्रदूषण होता है जो पर्यावरण को अत्यधिक प्रदूषित कर रहा है वायुप्रदूषण को रोकना अत्यधिक आवश्यक है क्योंकि यदि इसे नहीं रोका गया तो मानव समुदाय संकट मे पड़ जाएगा।

ध्वनि प्रदूषण :- कारखानो मे मशीनों के कारण उत्पन्न शोर तथा वाहनों द्वारा बजाए जाने वाले तेज आवाज हॉर्न से ध्वनिप्रदूषण होता है इसकी भी रोकथाम की जाना आवश्यक है।

मृदा प्रदूषण :- कारखानो में औद्योगिक प्रक्रिया के दौरान जल का उपयोग किया जाता है जल मे हानिकारक लवणो का प्रवेश हो जाता है जिसके कारण व मृदा मे मिलते है तो वह पौधो को बहुत नुकसान पहुँचाते है इसलिए कारखानो के जल को बिना उपचार के प्रवाहित करने पर रोक लगानी चाहिए

प्रदूषण के उत्पन्न होने के कारण :- कारखानो द्वारा जल को नदियो मे मिलाना, ध्वनिप्रदूषण का कारण उत्पन्न शोर है।

④ [1] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ अंक कुल अंक

इन सभी कारणों से प्रदूषण होता है।

प्रश्न क्र.

प्रदूषण के निराकरण के उपाय :- प्रदूषण के निराकरण के लिए कारखानों को शहरों से दूर स्थापित करना चाहिए। कारखानों की चिमनियों की ऊँचाई बढ़ा दी जानी चाहिए। कुओं के चारों ओर मेड़ बनानी चाहिए। इस प्रकार हम प्रदूषण को कम कर पाएंगे।

उपसंहार :- पर्यावरण को बचाने हेतु प्रदूषण को रोकना अति आवश्यक है। पर्यावरण में वातावरण को हरा भरा बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक वृक्षों को लगाना है। प्रदूषण कम करने की नवीन तकनीक विकसित की जानी चाहिए। जिससे हम हरे भरे पर्यावरण को हमारी भावी पीढ़ी तक भी हरा भरा पहुँचा सकें।

B
S
E

{ प्रदूषण रोको - नहीं तो होगा पर्यावरण विनाश। }